वार्तालाप–502, तिरूपति (आं.प्र.), 31.01.08

Disc.CD No.502, dated 31.01.08 at Tirupati (Andhra Pradesh)

समय–4.41–12.40
जिज्ञासु– इस्लामी धर्म में मातायें काला कपड़ा पहनती है ना।
बाबा– हाँ। इस्लाम धर्म की जो मातायें है वो काले कपड़े पहनती हैं। भाई लोग काले कपड़े नहीं पहनते। वो मोस्टली जितने भी अरबियन्स दिखाई पड़ेंगे, मुसलमान दिखाई पड़ेंगे वो सफेद–सफेद कपड़े पहनेंगे, पगड़ी बांधेंगे सफेद लेकिन उनकी औरतें? काले कपड़े पहनती है। अपने देवी देवता सनातन धर्म में जो भक्तिमार्ग में यादगारें चल रही हैं उनमें कोई ऐसी देवी है जो काली ही काली दिखाई जाती है? उसका नाम ही है महाकाली। कैसे कपड़े दिखाते हैं? काले कपड़े दिखाते हैं। और देवियां नहीं हैं। हैं तो नौ देवियां खास, लेकिन आठ देवियां ऐसे काले कपड़े वाली नहीं दिखाई जाती। एक देवी है जो काली, महाकाली के रूप में दिखाई जाती है।

Time: 4.41-12.40
Student: Mothers wear black clothes in Islam, don't they?
Baba: Yes. The mothers belonging to Islam wear black clothes. Brothers do not wear black clothes. Mostly all the Arabians (people of Arab country) that we see (i.e) the Muslims that we see wear white clothes; they tie white turbans, but what about the womenfolk? They wear black clothes. In our Ancient Deity Religion, in the memorials that exist in the path of *bhakti* (devotion), is there any *devi* (female deity) who is shown to be only dark? Her name is *Mahakali*. What kind of clothes is she shown to be wearing? She is shown to be wearing black clothes. Other *devis* are not shown (to be wearing dark clothes). As such, there are nine *devis* especially, but eight *devis* are not shown to be wearing such black clothes. There is one *devi* who is shown as black in the form of *Mahakali*.

धर्म कितने हैं? (जिज्ञासु– नौ धर्म।) नौ धर्म ह जो भगवान से प्राप्ति करते हैं। उन नौ धर्मों में से जो महाकाली का रूप है वो प्राप्ति करने वाला है या नहीं है? प्राप्ति करने वाला तो है। प्राप्ति करता है लेकिन मुसलमान धर्म को फॉलो किया। क्या? ऐसे काले कर्म किये ह... भगवान को तो माना है लेकिन फिर कुछ ऐसे काले कर्म किये हैं जिसके आधार पर जो नीच जातियां है– भंगी, चमार, चोर, चकार, डकैत वो लोग उसकी ज्यादा पूजा करते हैं।

How many religions are there? (Student – nine religions.) There are nine religions, which achieve attainments from God. Among those nine religions, does the form of *Mahakali* achieve attainments or not? She does achieve attainments. She achieves attainments, but she followed the Muslim religion. What? She has performed such dark actions….She did believe God, but then she has performed some such dark actions on the basis of which the lowly castes like *bhangis* (name of a community of sweepers), *chamars* (leather-workers), thieves, dacoits worship her more.

आज भी दुनिया के अंदर आतंकवादियों की संख्या कौनसे धर्म वालों से है? कौनसे धर्म के लोग हैं जो आतंकवादी बहुत हैं? चोरी, चकारी, हत्यारी, हत्या करने वाले कौनसे धर्म के लोग है ज्यादातर दुनिया में? आतंकवादी कौन है? मुस्लिम धर्म के। तो मुसलमान धर्म से ही वो देवी प्रकट होती है। है नहीं मुसलमान लेकिन वो आत्मा है जो मुस्लिम धर्म में द्वापर युग से कनवर्ट होती है। मुस्लिम धर्म में चली जाती है। ये खास पार्ट होता है वो काले कपड़े पहनने वाली का। इसलिए उसको कहते हैं माया। माया रावण।

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

Even today, majority of terrorists are from which religion? People of which religion are more like terrorist? Mostly people of which religion are involved in stealing, murders in the world? Who are the terrorists? Those belonging to the Muslim religion. So, that *devi* emerges from Muslim religion only. She is not a Muslim, but she is the soul who converts into Muslim religion from the Copper Age. She goes to the Muslim religion. This is the special part of the one who wears black clothes. This is why she is called *Maya*, *Maya* Ravan.

हमारा मुंह कोई न देख ले। क्या? कहते हैं ना– इसका काला मुंह हो गया। तो काला मुंह वाला अपना चेहरा छुपायेगा या दिखायेगा? छुपायेगा। माना महाकाली का जो पार्ट है वो कोई ऐसी आत्मा है जो एडवांस पार्टी में बीज तो है लेकिन इस्लाम धर्म का बीज है। भगवान के साथ सम्बन्ध तो जोड़ती है लेकिन मायावी सम्बन्ध जोड़ती है। सच्चा सम्बन्ध वो नहीं जोड़ती है। भगवान के साथ भी सम्बन्ध है तो दूसरों के भी साथ सम्बन्ध जुड़ा हुआ है। फाउन्डेशन ही ऐसा है। तो ऐसा सम्बन्ध भगवान के साथ ज्यादा टाईम निभेगा कि नहीं निभेगा? नहीं निभेगा। तो वो रूप ही महाकाली का दिखाया गया है।

(She thinks) Nobody should see our face. What? People say, ‘his face has become black’, don’t they? So, will a person who has a black face, hide his face or show it? He will hide it. It means that the part of *Mahakali* is some such soul who is indeed a seed in the advance party, but she is a seed of Islam. She does establish a relationship with God, but she establishes an illusive *(mayavi)* relationship. She does not establish a true relationship. There is a relationship with God as well as others. The foundation itself is like this. So, will such a relationship continue with God for a longer time or not? It will not be maintained. So, that form of *Mahakali* has been shown.

उसकी यादगार में एक नदी दिखाई गयी है भारतवर्ष में। उसको कहते हैं यमुना नदी। क्या? काली नदी। दो नदियां हैं एक दूसरे के विरोधी रूप में। एक है गंगा नदी और एक है यमुना नदी। यमुना नदी जो है वो पानी उसका काला हो जाता है और गंगा नदी? पानी अंत तक स्वच्छ रहता है। काली नदी जो है यमुना नदी उसमें कहते हैं सर्प वास करता था। इसलिये उस सर्प के कारण कालिया नाग के कारण यमुना नदी का सारा जल विषैला हो गया। उस जल को जो भी पीता था वो खत्म हो जाता था। चाहे जानवर हो चाहे आदमी हो। है कहाँ की बात?

In her memorial a river has been shown in India. It is called river Yamuna. What? A dark river. There are two rivers in contrast with each other. One is river Ganga (the river Ganges) and the other is river Yamuna. River Yamuna’s water becomes black and what about the river Ganga? Its water remains clean until the end. It is said that a snake used to live in the dark river Yamuna. This is why…. because of that snake named *Kaliya naag* the entire water of river Yamuna became poisonous. Whoever used to drink that water used to die, whether it was an animal or a human being. It is about when?

ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में जब एडवांस पार्टी शुरू हुई तो पहले पहले वो यमुना नदी निकलती है। भगवान के साथ भी सम्बन्ध जुटा हुआ है औरों के साथ भी सम्बन्ध जुटा हुआ है। उससे रिजल्ट क्या निकलता है? उसका अपना पार्ट ही काला हो गया। उसका जो ज्ञान जल है वो कैसा हो जाता है? विषैला। उस विषैले ज्ञान जल को जो भी छोटे–2 बच्चे ज्ञान में निकलने वाले पीते हैं अनिश्चय बुध्दि हो जाते हैं। अनिश्चय बुध्दि माना जिन्होंने भगवान बाप के उपर निश्चय बैठाया, छोटे–2 बच्चे अभी–2 के पैदा हुए, और उस विषैले जल को

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

पीते हैं, ज्ञान जल को पीते हैं, और बस भगवान के उपर से निश्चय उनका उखड जाता है। भगवान के उपर से निश्चय उखड जायेगा तो भगवान के सहयोगी बनेंगे, विरोधी बनेंगे? विरोधी बन जाते हैं।

In the Confluence Age world of Brahmins, when the Advance party started, then first of all that river Yamuna emerges. She makes a connection with God as well as others. What was its result? Her own part became black. How does her water of knowledge become? (It becomes) Poisonous. All the small children who emerge in knowledge and drink that water of knowledge develop a doubtful intellect (for God). A doubtful intellect means, the small children, who were born just now (in knowledge) who developed faith on God the Father ….and as soon as they drink that poisonous water, as soon as they drink that (poisonous) water of knowledge they lose faith on God. If they lose faith on God, will they become helpers of God or opponents of God? They become opponents.

जो पहले भगवान के सहयोगी थे, सहयोगी रूपी भुजायें बनकर के रहते थे उन भुजाओं को काट लिया और उस काली नदी ने अपने कमर के उपर लपेट लिया। अपनी लज्जा तो बचा ली ग्लानी करवा के। वो सहयोगी बच्चे जब अनिश्चय बुध्दि हो जाते हैं तो क्या करते हैं? भगवान की ग्लानी करेंगे या महिमा करेंगे? भगवान की ग्लानी करते हैं। तो भगवान की ग्लानी करने से उसकी अपनी कमर की लज्जा तो बच जाती है लेकिन भगवान की गुप्त होने की बात जो है वो संसार में फैलती रहती है। लोग निश्चय करना चाहते हैं तो भी निश्चय कर नहीं पाते हैं।

Those who were helpers of God earlier, those who used to remain as the helping arms were cut off and that (soul who plays the part of the) black river, covered her waist with them. She indeed saved her honour by causing defamation. When those helper children lose faith, what do they do? Will they defame God or will they praise Him? They defame God. So, by defaming God, the honour of her waist is indeed saved, but the issue of God becoming incognito keeps spreading in the world. Even if people want to develop faith, they are not able to develop faith.

जिज्ञासु– यमुना नदी की मिट्‌टी भी चिपकती है।
बाबा– हाँ, जो देहभान की मिट्‌टी है वो चिपकाने वाली होती है। जो भी नजदीक आयेगा उसी में चिपक जायेगा और गंगा नदी की मिट्‌टी कितनी भी थोप लो एक डुबकी लगाओ और सारी मिट्‌टी बह जायेगी। माने गंगा नदी में इतना शुध्द ज्ञान होता है, सात्विक स्टेज का कि उस नदी में जो भी गोता लगायेगा चाहे जितने ही नजदीक आयेगा लेकिन गंगा नदी उसमें आसक्त नहीं होती। देहभान की मिट्‌टी उसको चिपकती नहीं है और यमुना नदी की मिट्‌टी? चिपकती है। मिट्‌टी माना? देहअभिमान।

Student: The mud of river Yamuna also sticks.
Baba: Yes, the mud of body consciousness (of river Yamuna) is sticky. Whoever comes near (her) will stick (attach) to her but howevermuch you apply the mud of river Ganga (on your body), as soon as you take a plunge (in the river) the entire mud will be washed away. It means that the river Ganga has such pure knowledge, of a true *(satwik)* stage that whoever takes a plunge in that river, however much he may come close, but river Ganga does not become attached to him/her. The mud of body consciousness does not stick to her and what about the mud of river Yamuna? It sticks. What is meant by mud? Body consciousness.

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

समय–1.03–3.28
जिज्ञासु– अभी–2 मुरली में आया है बाप को प्रश्न नहीं पूछना।
बाबा– हां।
जिज्ञासु– क्यों?
बाबा– फिर, फिर पूछते क्यों है?
जिज्ञासु– क्यों ऐसा है?
बाबा– क्यों ऐसा है? अच्छा ये बताओ दुनिया में जो बाप के बच्चे होते हैं उनको कभी अनिश्चय होता है कि ये हमारा बाप नहीं है?
जिज्ञासु– नहीं।
बाबा– और यहाँ? यहाँ अनिश्चय होता है कि नहीं होता है? बोलो?
जिज्ञासु– माया।

Time: 1.03-3.28
Student: Just now it was mentioned in the *Murli*, we should not ask questions to the Father.
Baba: Yes.
Student: Why?
Baba: Then why do you ask?
Student: Why is it so?
Baba: Why is it so? OK, tell me, do children of fathers in the world ever develop a doubt whether this person is my father or not?
Student: No.
Baba: And here? Do they develop doubt or not over here? Speak.
Student: *Maya*.

बाबा– अरे! तो अनिश्चय होता है इसका मतलब बाप नहीं है तो प्रश्न पूछेंगे ना? जब यहाँ सबको अनिश्चय होता है। तो सबको अनिश्चय होता है तो अनिश्चय होगा तो जब बाप नहीं है तो प्रश्न भी पूछेंगे। अगर पक्का निश्चय बैठा हो कि ये बाप है तो प्रश्न क्यों पूछेंगे? इसलिये बोला कि सिर्फ एक को याद करना है। एक ही अलफ है। आदि से अंत तक खड़ा रहने वाला और बाकि सब अनिश्चय बुध्दि होते रहते हैं। माया किसीको छोड़ती नहीं है। कोई चुप्पी साध के बैठ जाये, अब कोई प्रश्न नहीं पूछेंगे। तो चुप्पी साधने से अनिश्चय नहीं आवेगा क्या?
जिज्ञासु– आयेगा।
बाबा– तो भी तो आयेगा।

Baba: *Arey*, So, when you develop doubt, it means that He is not your father; so you will ask questions, will you not? When everyone develops doubt here, so, when everyone develops doubt, when you develop doubt, when He is not your father, then you will also ask questions. If you have firm faith that this is the father, then why will you ask questions? That is why it has been said, you should remember only one. Only one is *Alaf* (the first alphabet in Urdu language) who remains standing from the beginning to the end and all the rest keep developing a doubtful intellect. *Maya* does not leave anyone. If someone becomes silent thinking, I will not raise any question now; then will he not develop doubt by remaining silent?
Student: He will.
Baba: Even then he will develop the doubt.

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

समय–3.40–5.40
जिज्ञासु– बाबा आज का मुरली में अभी–2 आया है 2 बजे से लेकर चार बजे तक उस समय अमृतवेला।
बाबा– लेकिन 2 बजे से उठे और नींद आती रही और आल्तु–फाल्तु संकल्प आते रहे तो क्या फायदा हुआ? फिर तो प्रैक्टिस पड़ जायेगी अलबेलेपन की। तो चार बजे से पांच बजे तक पौने–पांच बजे तक पौना, आधा घंटा भी याद किया लेकिन एक्युरेट याद किया तो संस्कार कौनसे पड़ेंगे? एक्युरसी के संस्कार पड़ेंगे या अलबेलेपन के संस्कार पड़ेंगे?
जिज्ञासु– एक्युरसी के संस्कार पड़ेंगे।
बाबा– तो कौन फायदे में रहेगा?

Time: 3.40-5.40
Student: Baba, in today's *Murli* it has been mentioned just now that the time from two to four is *Amritvela* (early morning hours).
Baba: But if you woke up from 2 A.M and you continued to feel sleepy and wasteful thoughts kept emerging in your mind, then what is the use? Then you will become practiced to be careless. So, from four O'clock to five O'Clock, till quarter to five, even if you remember for three quarter of an hour or half an hour, but if you remember accurately, then which *sanskars* will you develop? Will you develop *sanskars* of accuracy or *sanskars* of carelessness?
Student: You will develop *sanskars* of accuracy.
Baba: So, who will benefit more?

जिज्ञासु– लेकिन वो टाईम पे थोड़ा ये होता है।
बाबा– क्या होता है?
जिज्ञासु– सभी लोग उठके गंदा एन्वायरमेन्ट शुरू होता है। एन्वायरमेन्ट अच्छा नहीं होता है।
बाबा– चार बजे का एन्वायरमेन्ट अच्छा नहीं होता?
जिज्ञासु– लोगों का मुवमेन्ट शुरू होता है।
बाबा– सबका थोड़े ही शुरू होता है। जो दुनिया में ज्यादा तामसी लोग है वो तो आठ–2 बजे तक सोते ही रहते हैं। बारह–एक बजे तक विकारी वायब्रेशन दुनिया में बढ़ता है। उसके बाद विकारी वायब्रेशन खत्म। भूत–प्रेत भी कोई में प्रवेश करते हैं बारह–एक बजे तक बहुत वितंडावाद मचाते हैं। उसके बाद वायुमण्डल भी ठंडा होने लगता है तो वो भूत–प्रेत भी ठंडे होने लगते हैं।

Student: But at that time a little (disturbance) happens.
Baba: What happens?
Student: Everyone wakes up and the environment starts to become spoilt. The environment is not good.
Baba: Is the environment not good at four O'clock?
Student: People start moving around.
Baba: Everyone doesn't start moving around. The more degraded *(tamasi)* people in the world keep sleeping till eight O'clock. The vicious vibrations increase in the world till 12 (midnight) or 1 A.M. After that the vicious vibrations end. Even if ghosts and spirits enter in someone they create a lot of trouble till 12 (midnight) or 1 A.M. After that the atmosphere starts becoming cool. So, those ghosts and spirits also start becoming cool.

समय–5.50–8.13
जिज्ञासु– बाबा मुरली में शिवबाबा ने ज्ञान दिया – कोई को दुःख नहीं देना। कोई से दुःख नहीं लेना। जब कोई कन्या बाबा को सरेन्डर हो गये तब उसका पूरा फैमिली दुःख होता है ना। तब श्रीमत कैसे पालन करना?
बाबा– पति विकार मांगता है। पत्नी विकार नहीं देती है तो पति को दुःख होता है ना?
जिज्ञासु– होता है।

Time: 5.50-8.13
Student: Baba, Shivbaba has given the knowledge in the *Murlis*: we should not give sorrow to anyone. We should not take sorrow from anyone. When a virgin (kanya) surrenders to Baba, her entire family feels unhappy, does it not? Then how should we follow the *Shrimat* at that time?
Baba: If a husband seeks 'lust' and if the wife does not give 'lust', the husband feels sorrowful, doesn't he?
Student: He does.

बाबा– तो फिर? पत्नी पाप कमा रही है या पुण्य कमा रही है?
जिज्ञासु– पुण्य।
बाबा– कैसे? पति को तो दुःख हो रहा है। श्रीमत की बरखिलाफी तो कोई भी करे तो उससे दुःख ही बढ़ेगा। एक होता है अल्प काल का दुःख और एक होता है सदा काल का दुःख। जो कन्यायें सरेंडर हो गई और सरेंडर होने के बाद एक बाप की बन गई। एक बाप के ही मत पर चलने का उन्होंने फैसला लिया है और उस बाहर की दुनिया में उनका बुद्धियोग नहीं जाता है, घर के भांती जो लौकिक घर के भांती है वो दुःखी हो रहे हैं। तो कब तक आखिर दुःखी होंगे? अंत तक दुःखी ही होते रहेंगे कि सुखी भी होंगे?
जिज्ञासु– सुखी होंगे।

Baba: Then? Is the wife earning sins (*paap*) or is she earning charity (*punya*)?
Student: Charity.
Baba: How? The husband is feeling sorrowful. If anyone goes against the *Shrimat*, it will only increase sorrow. One is sorrow for a short period and the other is sorrow forever. Those virgins who surrendered and after surrendering, they became the children of the One Father; they have decided to follow the opinion of only the One Father and their intellect does not wander in the outside world (and) the members of the *lokik* home are feeling sorrowfulso, how long will they finally feel sorrowful? Will they continue to feel sorrowful till the end or will they also become happy?
Student: They will become happy.

बाबा– कब सुखी होंगे? जब बाप की प्रत्यक्षता हो जायेगी तो जितने दुःखी नहीं है उससे कई गुना सुखी हो जायेंगे। क्योंकि बच्चों को वरदान मिला हुआ है – तुम्हारा परिवार के सब भांती आगे चलके ज्ञान में चलेंगे। तो वो तो अज्ञानता के कारण दुःखी है कि ज्ञान के कारण दुःखी है? मोह के कारण दुःखी हैं या निर्मोही बन गये तो इसलिये दुःखी है? मोह के कारण दुःखी है।

Baba: When will they become happy? When the Father is revealed, then they will be many times happier than they are sorrowful now because the children have received the boon, all the members of your family will start following the knowledge in future. So, are they sorrowful because of ignorance or because of knowledge? Are they sorrowful because of

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

attachment or are they sorrowful because they have conquered attachment? They are sorrowful because of attachment.

समय–10.31–14.47
जिज्ञासु– बाबा गुरू और सद्‌गुरू का डिफरेंस (अंतर) क्या?
बाबा– गुरू ढ़ेर होते हैं। क्योंकि झूठे ढ़ेर होते हैं और सत माने सच्चा; सच्चा एक होता है। इस दुनिया में सारी दुनिया झूठी है या सच्ची भी है? कोई 100 परसेन्ट सच्चा है? तो वो सद्‌गुरू कोई हो ही नहीं सकता। अगर सद्‌गुरू हो सकता है तो तब ही हो सकता है कि जब उसमें ट्रूथ गॉड फादर खुद ही प्रवेश करे। तो सच्चा हो सकता है। फिर ये साबित होना चाहिये, बुध्दि को समझना चाहिये, बुध्दि में ये बात बैठनी चाहिये। समझ के आधार पर अगर ये पक्का हो जाता है कि इसमें बाप भगवान है तो सद्‌गुरू का पार्ट है। सत् एक और असत् अनेक।

Time: 10.31-14.47
Student: Baba, what is the difference between a *guru* and a *sadguru*?
Baba: *Gurus* are numerous because false ones are many and *Sat* means true; one is true. In this world is the entire world false or is it also true? Is there anyone 100 percent true? Then nobody can be the *Sadguru* at all. If anyone else has to be a *Sadguru*, he can be so only when the truth God the Father Himself enters in him. Then he can be true. Then it should be proved, the intellect should understand, it should fit in the intellect. (Thus) on the basis of understanding, if it is proved that God the Father is persent in him; so his role is of *Sadguru*. One is true and false ones are many.

तो गुरू होते हैं ढ़ेर लेकिन सद्‌गुरू होता है एक। इसलिये सिक्ख लोग ये गायन करते हैं– एक सद्‌गुरू अकाल मूर्त। क्या? सद्‌गुरू अकाल माना उसको काल नहीं खा सकता और मूर्त रूप है सद्‌गुरू का। माना निराकार नहीं है। क्या? उसकी मूर्ति है। अमूर्त नहीं है। अव्यक्त नहीं है। वो सृष्टि पर आ करके व्यक्त रूप धारण करता है। तब सद्‌गुरू बनता है। इसलिये एक सद्‌गुरू कहा जाता है। और सब झूठे साबित हो जाते हैं और एक वो सच्चा साबित होता है। गुरूओं से अंधेरा हो जाता है और सदगुरू से सोझरा हो जाता है।

So, *gurus* are many, but *Sadguru* is one. That is why the Sikhs praise – One *Sadguru Akaalmoort*. What? '*Sadguru akaal'* means he cannot be devoured by *kaal* (i.e. death). And the '*moort roop'* (personified form) is of the *Sadguru*. It means that he is not incorporeal. What? He has a personality. He is not without any form. He is not unmanifest (*avyakt*). He comes in this world and assumes a corporeal form. Then he becomes the *Sadguru*. This is why *Sadguru* is said to be one. All the others are proved to be false and that 'one' is proved to be true. *Gurus* cause darkness and *Sadguru* brings light.

2500 वर्ष से गुरूओं की भरमार हुई तो दुनिया में अज्ञान का अंधेरा फैल गया। अंधेरे में सब दुःखी होते हैं ठोकरे खाते रहते हैं। सद्‌गुरू आते हैं तो सोझरा करते हैं। बुध्दि में ज्ञान आ जाता है। ज्ञान की रोशनी से आत्मा में खुशी बढ़ जाती है। इसलिये गुरू में और सद्‌गुरू में जमीन–आसमान का अंतर है। सद्‌गुरू सिर्फ एक बार ही आता है। इस एक अंतिम जन्म में ही आता है। सिर्फ संगमयुग में ही आता है और गुरू लोग? वो तो जन्म जन्मांतर होते रहें। द्‌वापर, कलियुग में गुरूओं की भरमार हुई और रिजल्ट क्या हुआ? दुनिया नीचे गिरती चली गई। ये बहुत बड़ा अंतर है। गुरूओं से दुनिया नीचे गिरती है और सदगुरू से ऊँची उठती है।

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

Since last 2500 years, when there was an increase in the number of *gurus*, the darkness of ignorance spread in the world. Everyone becomes sorrowful and stumbles in darkness. When the *Sadguru* comes, He brings light. Knowledge enters the intellect. With the light of knowledge, happiness increases in the soul. This is why there is a world of difference between a *guru* and the *Sadguru*. *Sadguru* comes only once. He comes only in this last birth. He comes only in the Confluence Age and what about the *Gurus*? They have continued to emerge for many births. There was an increase in the number of *gurus* in the Copper Age and the Iron Age. And what was its result? The world continued to experience downfall. This is a very big difference. *Gurus* make the world to experience downfall and the *Sadguru* makes the world to rise.

समय–14.50–17.44
जिज्ञासु– बाबा, बहुत मुरली में यह वाक्य आया है, यह वर्सा नहीं देनेवाला है। वह वर्सा देने वाला है।
बाबा– क्या?
जिज्ञासु– यह वर्सा देनेवाला नहीं है। वह वर्सा देने वाला है। यह बहुत सारी मुरलियों में आता है। तो ब्रह्मा बाबा सुनते फिर भी क्या उसको मालूम नहीं पड़ता है वो 'मैं ही गीता सुनाता हूँ' ऐसा ही उसके मन को आता है क्या?
बाबा– जब वह कहते हैं कि 'वह वर्सा देने वाला है' तो उनकी बुध्दि में ये नहीं आता कोई आगे आने वाला है। 'वह' वो समझते हैं परमधाम में है 'वह'। वो बिन्दी, भगवान, वो परमधाम में है; वो वर्सा देने वाला है। उनकी बुध्दि ये नहीं जानती भविष्य में कोई ऐसा है जो वर्सा देने वाला है सुख शांति का।

Time: 14.50-17.44
Student: Baba, a sentence has appeared in many *Murlis*, this one is not the giver of inheritance. That one is the giver of inheritance.
Baba: What?
Student: This one is not the giver of inheritance. That one is the giver of inheritance. It is mentioned in many *Murlis*. Although Brahma Baba listens (to *Murlis*) does he not come to know? Does only this come to his mind that 'I myself narrate the Gita'?
Baba: When they say, 'He is the giver of inheritance', then it does not strike their intellect that someone is going to come in the future. For 'that one' they feel that 'that one' is in the Supreme abode. That point, God, He is in the Supreme abode. He is the giver of inheritance. Their intellect does not know that there is a personality in the future who is going to give the inheritance of happiness and peace.

जिज्ञासु– अभी ब्रह्माबाबा को पता नहीं चला कि साकार में पार्ट चल रहा है?
बाबा– सन् 68 में 67 में जब ब्रह्मा जीवित थे तो उनको पता था कि साकार में हैं? अगर साकार में होता ये मालूम होता तो संस्था का नाम ब्रह्माकुमारी विद्यालय क्यों रखते? यहाँ तक कि सन् 66 में 65 में बाबा ने खुद बोला मुरली में उनके द्वारा कि ब्रह्माकुमारी विद्यालय नाम रॉंग, प्रजापिता शब्द जरूर बढ़ाना चाहिये। उसके बावजूद भी कोई ब्रह्माकुमार–कुमारी आज तक अपने को प्रजापिता ब्रह्माकुमार नहीं लिखता है। क्योंकि ब्रह्मा के ही बुध्दि में नहीं बैठी है ये बात।

Student: Has Brahma Baba still not come to know that the corporeal part (of Shivbaba) is going on?

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

Baba: When Brahma was alive in the year 68 or 67, did he know that (Shivbaba) is in corporeal form? Had he known that He is in corporeal form, why would he have kept the name of the institution as Brahmakumari Vidyalay? In the year 1966, 65 (Shiv) Baba Himself said through him in the *Murli* that the name Brahmakumari Vidyalay is wrong. The word 'Prajapita' should definitely be added. Despite that no Brahmakumar-kumari writes his/her name as Prajapita Brahmakumar (Kumari) till today because it has not fitted in the intellect of Brahma himself.

जिज्ञासु– वो ठीक है बाबा पर अभी शरीर छोड़ने के बाद प्रजापिता में प्रवेश करती है अभी वो पॉइन्ट सुनाता है उसको मालूम होता है और संदेश में जाके उधर कभी नहीं बोलता है।
बाबा– इसका कारण ये है कि जब संग के रंग में आते हैं प्रवेश करते समय तो उनकी बुध्दि चेन्ज हो जाती है। बीज में ज्यादा ताकत है या जड़ में ज्यादा ताकत है? (किसी ने कहा – बीज में।) ब्रह्मा बाबा तो जड़ स्वरूप है, आधार मूर्त है। बीज में प्रवेश करते हैं तो उस जड़ में भी ताकत आ जाती है। जड़ को ताकत कहाँ से मिलती है? बीज से मिलती है। तो उस समय उनकी अवस्था कुछ और होती है, जब पढ़ते हैं डायरेक्ट सन्मुख और फिर जब दूर हो जाते हैं तो बच्चों के संग का रंग फिर लग जाता है। फिर ज्यों की त्यों स्टेज।

Student: Baba, that is alright, but, now after leaving the body, it enters in Prajapita, now he narrates points; he comes to know, but he never speaks (these points) in messages when he goes there.
Baba: Its reason is that when he is coloured by the company while entering (in Shankar) his intellect changes. Is there more power in the seed or in the non-living thing? (Someone said – in the seed). Brahma Baba is like an inert form, the root- soul. When he enters in the seed, then that (Brahma Baba) root also achieves power. Where does the root obtain its power from? It obtains (the power) from the seed. So, when he studies directly face to face, at that time his stage is something different, and when he goes far away, he is again coloured by the company of children. Then his stage becomes as it was earlier.

समय–18.46–20.43
जिज्ञासु– बाबा द्वापरयुग आदि में पहला भाषा क्या होगा?
बाबा– पहला भाषा। उस समय मिक्स भाषा होती है। माने थोड़ा–2 इशारे की भी भाषा होती है और थोड़ा–2 वाचा भी शुरू होती है। क्योंकि वाचा है देहभान की सूचक। वाचा कब तक निकल रही है? जब तक हमारे में देहभान है तब तक वाचा है। देहभान खत्म होगा वाचा में आना ही अच्छा नहीं लगेगा और आत्मा में स्वतः ही इतनी पावर भर जावेगी स्वस्थिति में रहने से कि किसीको देखा और देखने मात्र से ही उसके अंदर वायब्रेशन आ जायेगा कि हम क्या कहना चाहते हैं। सामने के बोलने वाले को बोलने की दरकार नहीं रहेगी और देखने वाले को स्वतः ही समझ में आवेगा। यहाँ तक की आँखों से देखने तक की भी दरकार नहीं। दूर बैठे भी आत्मिक स्थिति में रहने वाला दूर बैठे हुए आत्मिक स्थिति वाले की भाषा सुन सकता है, समझ सकता है और जवाब भी दे सकता है। मोबाइल की दरकार नहीं।

Time: 18.46-20.43
Student: Baba, what will be the first language in the beginning of the Copper Age?
Baba: The first language. At that time there is a mixed language. It means there is the language of gestures to some extent and speech also starts to some extent because speech is an indication of body consciousness. Until when are the words emerging? Until there is body consciousness in us, there is speech. When the body consciousness ends , you will not like to speak at all and the soul will automatically be filled with such power by remaining in the

stage of the self that as soon as we see someone, and just by seeing him, he will catch the vibrations , what do we want to say (to him). There will not be any need for the person in front of us to speak and the observer will automatically understand. There will not be any need even to see through the eyes. Even while sitting far away, the one who lives in a soul conscious stage, can listen to the language of the other person who is in soul conscious stage (and is) sitting far away. He can understand him, and he can give a reply to him as well. There is no need for a mobile.

जिज्ञासु– इशारे से जवाब देंगे क्या?
बाबा– और क्या? यहाँ अभी भी नहीं होता है ऐसा? जिनका दिल से दिल मिलता हुआ होता है उनकी बात को वो जल्दी समझ लेते हैं दूसरे नहीं समझ पाते हैं। दिल से दिल को राहत होती है।

Student: Will they reply through gestures?
Baba: What else? Does it not happen like this here even now? Those whose hearts mingle with each other, understand each other's words fast; others cannot understand. A heart relieves another heart.

समय–30.13–31.45
जिज्ञासु– बाबा ल.ना. का नाम में लक्ष्मी का नाम पहला है और नारायण का नाम बाद में। क्यों ऐसा बाबा? क्यों नारायण लक्ष्मी नाम नहीं है?
बाबा– जो लक्ष्मी नारायण है वो भगवान का रूप है या देवता का रूप है?
जिज्ञासु– देवता का रूप है।
बाबा– देवता का रूप है। जो सीता–राम है वो भगवान का रूप है कि देवता का रूप है? देवता का रूप है। लेकिन जो शंकर–पार्वती है वो भगवान भगवती का रूप है या देवी देवता का रूप है? भगवान भगवती का रूप है। देवताओं से भी ऊँचा रूप है। उन दोनों में भगवान बड़ा या भगवती बड़ी?
जिज्ञासु– भगवान बड़ा।

Time: 30.13-31.45
Student: Baba, in the name of Lakshmi-Narayan, Lakshmi's name comes first and Narayan's name comes later on. Baba, why is it so? Why is it not Narayan-Lakshmi?
Baba: Are Lakshmi-Narayan forms of God (*Bhagwaan*) or the forms of deity?
Student: They are the forms of deity.
Baba: They are the forms of deity. Are Sita and Ram forms of *Bhagwan* or the forms of deity? They are the forms of deity. But are Shankar and Parvati forms of *Bhagwan-Bhagwati* (God-Goddess) or are they the forms of deity? They are the forms of *Bhagwan-Bhagwati.* It is a form higher than the deities. Between both of them, is *Bhagwan* greater or is *Bhagwati* greater?
Student: *Bhagwan* is greater.

बाबा– तो बड़े का नाम पहले रखना चाहिये या छोटे का नाम पहले रखना चाहिये? शंकर का नाम पहले और पार्वती का नाम बाद में। और जो भी नाम है राधा–कृष्ण, सीता–राम, लक्ष्मी–नारायण................

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

जिज्ञासु– ब्रह्मा सरस्वती। ब्रह्मा का नाम पहले आता है और सरस्वती का नाम बाद में आता है।
बाबा– हाँ ता ब्रह्मा में शिव प्रवेश है ना? कि सरस्वती में शिव प्रवेश है? ब्रह्मा में शिव प्रवेश है। तो शिव को आगे रखेंगे या सरस्वती को आगे रखेंगे?
जिज्ञासु– शिव को आगे रखेंगे।

Baba: So, should the name of the senior one be mentioned first or should the junior one's name be mentioned first? Shankar's name is first and Parvati's name is later on. All the other names like Radha-Krishna, Sita-Ram, Lakshmi-Narayan……………..
Student: Brahma-Saraswati. Brahma's name is mentioned first and Saraswati's name is mentioned afterwards.
Baba: Yes; so, Shiv entered Brahma, didn't He? Or did Shiv enter in Saraswati? Shiv entered in Brahma. So, will Shiv be placed first or Saraswati be placed first?
Student: Shiv will be placed ahead.

समय–31.50–32.35
जिज्ञासु– बाबा, ब्रह्मा बाबा क्यों गुलजार दादी में रात का समय में आता है? क्यों डे (दिन) टाईम में नहीं आता है?
बाबा– ब्रह्मा बाबा चंद्रमाँ है कि सूर्य है?
सभी– चंद्रमाँ।
बाबा– तो चंद्रमाँ रात में क्यों निकलता है दिन में क्यों नहीं निकलता? चंद्रमाँ रात में निकलता है या दिन में निकलता है? रात में निकलता है। दिन में चंद्रमाँ निकलेगा तो उसकी रोशनी ही नहीं होगी। फीका निकलेगा। फीका दिखाई पड़ेगा। इसलिए चालाक है। कब निकलता है? रात को निकलता है।

Time: 31.50-32.35
Student: Baba, why does Brahma Baba come in Gulzar *Dadi* in the night? Why does he not come (in her) in the day time?
Baba: Is Brahma Baba the Moon or the Sun?
Everyone said – The Moon.
Baba: So, why does the Moon rise only in the night and why not in the day time? Does the Moon rise in the night or in the day? It emerges in the night. If the Moon emerges in the day time, then its light will not be visible at all. It will be faded. It will appear to be faded. That is why it is clever. When does it emerge? It emerges in the night.

…………………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.